पलटूराम

1. चौकोर कागज़ के चारों कोनों को A, B, C, D नाम दो। चित्र में देखो और कागज़ को बीच से मोड़कर खोल लो। इस मोड़ को PQ नाम दो और इसके बीच के बिन्दु को O।
2. A कोने को O से मिलाते हुए तिरछा मोड़ PR बना लो। इसी तरह B को मोड़कर QR मोड़ बना लो।
3. R कोने को O से मिलाकर मोड़ बना लो। इस नए मोड़ को एक बार फिर O तक मोड़कर एक नया मोड़ बना लो।
4. अब P को O से मिलाकर मोड़ लो। दाईं तरफ भी इसी तरह मोड़ लो और दोनों मोड़ को खोल लो। ये दोनों मोड़ दो दीवारों की तरह होंगे।
5. C व D कोने को चित्रानुसार मोड़ लो।
6. अब हल्के से दबाते हुए दीवारों को खड़ा कर लो। पलटूराम के पलटने के लिए इन दीवारों को सीधा होना बहुत ज़रूरी है।

हो गए पलटूराम तैयार! अब बिना मुड़े हुए हिस्से को थोड़ा-सा अपनी ओर झुकाते हुए छोड़ो और देखो कि पलटूराम पलटियाँ मारते हुए तुम्हारे पास आता है क्या?

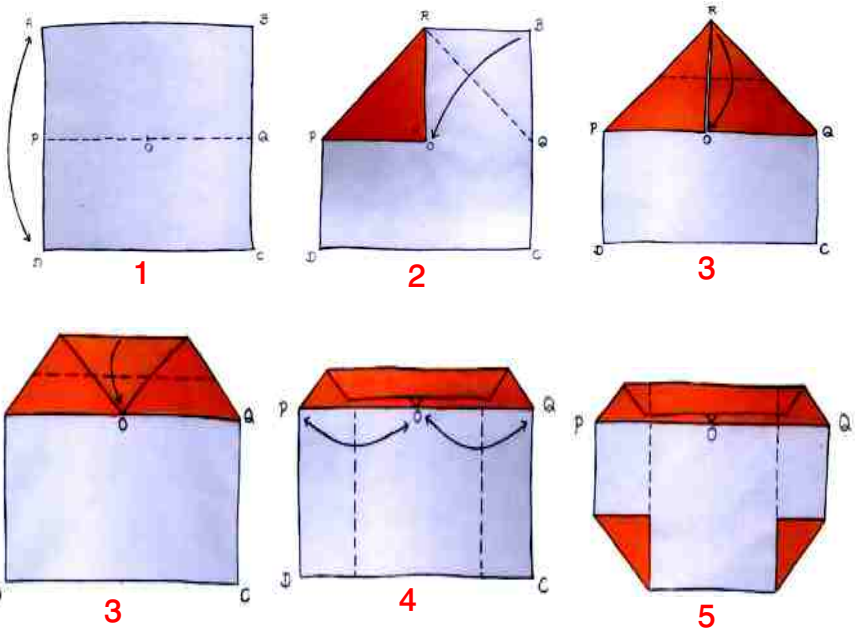

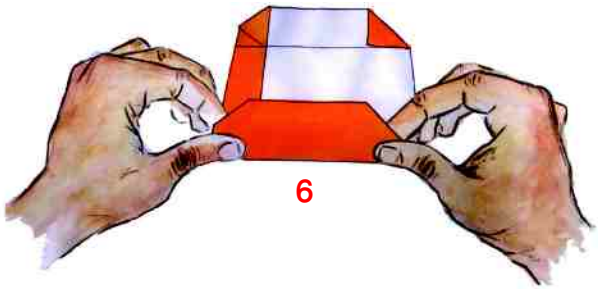

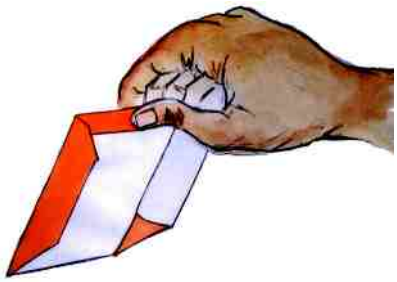

चुटकी

हरियाणा में अध्यापकों से कहा गया कि वे कभी-कभी गाँव जाकर वहाँ के लोगों को सामान्य ज्ञान की बातें बताया करें। एक बार एक बेहद कमज़ोर मास्टर जी गाँव गए और एक ग्रामीण से बोले, "ताऊ ये धरती घूमती है।"

ताऊ ने मरियल मास्टर जी को देखा और बोला, "बेट्टा, दूध-दही खाया कर। कुछ दिन में तेरी ये चक्कर आने की बीमारी ठीक हो जाएगी।"

प्रस्तुतिः गोविन्द शर्मा

पहेलियाँ

सौ कपड़ों का ओढ़ लबादा
थैले में बैठा शहजादा।

बारह घोड़े तीस गरारी
तीन सौ पैंसठ चढ़ें सवारी।

डिब्बा देखा एक निराला
जिसका न ढक्कन न ताला
न पेन्दा और न ही कोना
बन्द है उसमें चाँदी सोना।

बूझ पहेली सखी सयानी
आधा फूल और आधा पानी